

खबर संक्षेप

तोषेराम की कुल्हाड़ी-लाटी से बर्बर हत्या करने वाले कुशवाहा परिवार के 4 दोषियों को उम्रकैद

शहडोल। जिले के जेलपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पैरौबहरा में हुए दिल दहला देने वाले तोषेराम कुशवाहा हत्याकांड में अदालत ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। विशेष न्यायालय (एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम) शहडोल ने डिक्रीने और निर्मम अपराध को अंजाम देने वाले एक ही परिवार के चार दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने प्रत्येक दोषी पर 3,000-3,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है।घटना 16 जून 2024 की रात करीब 8:30 बजे की है। फरियादी निर्मल कुशवाहा अपने घर के बाहर बैठ था, तभी पड़ोस में शिवदयाल के घर के सामने से बचाओ-बचाओ की चीख-पुकार सुनाई दी। जब निर्मल अपने पिता की आवाज सुनकर दौड़ा, तो उसके होश उड़ गए। गांव के ही जीवनलाल, राजेन्द्र, भूपेद्र और रमेश कुशवाहा उसके पिता तोषेराम को चारों तरफ से घेरकर बर्बरता से पीट रहे थे। जीवनलाल कुल्हाड़ी से, राजेन्द्र लोहे के पाइप से और भूपेद्र व रमेश लाठियों से बेदरदी से वार कर रहे थे।निर्मल जब अपने पिता को चवाने दौड़ा, तो आरोपी राजेन्द्र ने उसे धक्का देकर गिरा दिया। चीख-पुकार सुनकर जब तक गांव के अन्य लोग दौड़कर आते, आरोपियों ने तोषेराम के सिर, सीने, पीठ और हाथों को लहलुहान कर दिया था। गंभीर चोटों के कारण अस्पताल में इलाज के दौरान तोषेराम की मौत हो गई थी।जेलपुर पुलिस ने मादवि की धारा 302/34 के तहत केस दर्ज किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी शहडोल ने इसे जघन्य एवं सनसनीखेज प्रकरणों में शामिल किया था। अदालत ने साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर जीवनलाल कुशवाहा उम्र 54 वर्ष, राजेन्द्र कुशवाहा उम्र 48 वर्ष, भूपेन्द्र कुशवाहा उम्र 24 वर्ष, रमेश कुशवाहा उम्र 34 वर्ष सभी निवासी ग्राम पैरौबहरा थाना जेलपुर को दोषी पाया गया। अदालत में शासन की ओर से डीपीओ (एससी/एसटी) कैलाश चंद पटेल ने प्रभावी पैरवी की। उन्होंने मामले की अमानवीय व निर्मम बर्ताते हुए दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की। विशेष अदालत ने अभियोजन के तर्कों से सहमत होकर चारों आरोपियों को ताउम्र सलाखों के पीछे भेजने का फरमान सुनाया।

दोहरे हत्याकांड में कोर्ट ने आरोपियों को ताउम्र सलाखों के पीछे रहने की दी सजा

शहडोल। शहर के चर्चित और दिल दहला देने वाले चंदनी चौक डबल मर्डर केस में अदालत ने इसाफ की मुहर लगा दी है। माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश शहडोल की अदालत ने दो सगे भाइयों—सचिन मोह्मरकर और चंद्रशेखर मोह्मरकर को दोहरा हत्याकांड अंजाम देने का दोषी पाते हुए आजीवन कारावास की कठोर सजा सुनाई है। कोर्ट ने दोनों दोषियों पर 10-10 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है।घटना 12 नवंबर 2023 की देर रात करीब 11 बजे की है। मतनी टोला वार्ड नं. 23/30 निवासी आरोपी सचिन मोह्मरकर का विवाद सीनू और रिजवान से हुआ था, जिसे उस समय प्रत्यक्षदर्शियों ने बीच-बचाव कर शांत करा दिया था, लेकिन सिर पर खून सवार आरोपी सचिन ने कुछ ही देर बाद रिजवान को फोन लगाया, गाली-गालीज की ओर सीधे चंदनी चौक पहुंचने की चुनौती दे डाली। जब सीनू और रिजवान उससे बात करने पहुंचे, तो घात लगाकर दोनों भाइयों ने उन पर खूनी हमला बोल दिया।अदालत में पेश साक्ष्यों के मुताबिक, विवाद बढ़ते ही चंद्रशेखर अपने घर से धारदार चाकू निकाल लाया और सचिन पास ही खंडहर से लोहे का भारी फंसाल उठा लाया। चंद्रशेखर ने सीनू पर चाकू से सीने और पीठ पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। वहीं, सचिन ने लोहे के फंसाल से रिजवान के सिर और गर्दन पर कई प्राणघातक हमले किए। हमले में गंभीर चोटें आने से रिजवान ने मौके पर ही हम तोड़ दिया, जबकि सीनू को लहलुहान हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।कोतवाली पुलिस ने अपराध क्रमांक 776/23 के तहत हत्या का मामला दर्ज कर चालान कोर्ट में पेश किया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए इसे जघन्य एवं सनसनीखेज प्रकरणों की श्रेणी में रखा गया था। अदालत ने विशेष लोक अभियोजक श्रीमती कविता कैथवास ने सभी महत्वपूर्ण गवाहों के साक्ष्य कराए और उच्च निदेशक अभियोजन कैलाश पटेल ने अंतिम बहस प्रस्तुत की।

अभियोजन के अकाट्य तर्कों और सबूतों से सहमत होकर माननीय न्यायालय ने दोनों हत्यारों को ताउम्र सलाखों के पीछे भेजने का सख्त फरमान सुनाया।

विराट भूमि

शहडोल | बुढ़ार | धनपुरी | ब्यौहारी | जयसिंहनगर | बाणसागर

जनजातीय कार्य विभाग में ‘कमीशनखोरी’ का तांडव 2.80 करोड़ स्वाहा, 10 प्रतिशत भी काम नहीं

कलेक्टर-मंत्री को अंधेरे में रख अपात्र गांवों में बांटे करोड़ों फर्जी बिलों के सहारे चल रहा विभागबीजेपी के ही पूर्व उपाध्यक्ष ने प्रमुख सचिव को भेजा ‘काला चि_’

शहडोल। आदिवासी विकास के नाम पर सरकारी खजाने की किस कदर डकैती डाली जाती है, इसका जीता-जागता नमूना देखना हो तो शहडोल का जनजातीय कार्य विभाग चले आइए! ‘मीठी बोली और कुटिल मुस्कान’ के उस्ताद सहायक आयुक्त आनंद राय सिन्हा के राज में विभाग विकास का नहीं, बल्कि ‘कमीशनखोरी और फर्जीवाड़े’ का अड्डा बन चुका है। अब इस बेलगाम भ्रष्टाचार के खिलाफ किसी विपक्षी ने नहीं, बल्कि सतारूद्ध भारतीय जनता पार्टी के ही पूर्व जिला उपाध्यक्ष सातिका प्रसाद तिवारी ने मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने भोपाल में जनजातीय कार्य विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. गुलशन वामरा को एक-एक पन्ने का काला चि_ सौंपकर निष्पक्ष जांच की मांग की है।

कलेक्टर और प्रभारी मंत्री को धोखे में रखकर करोड़ों की रेवड़ी

शिकायत पत्र में जो खुलासे किए गए हैं, वे प्रशासनिक गलियारों में हडकंप मचाने के लिए काफी हैं। आरोप है कि सहायक आयुक्त ने कलेक्टर और प्रभारी मंत्री/ उपमुख्यमंत्री तक को धोखे में रखा और भ्रामक जानकारी देकर अपने चहेते ठेकेदारों की जेबें

भरीं। बस्ती विकास निधि का पैसा जहां 50 प्रतिशत से अधिक आदिवासी आबादी वाले गांवों में लगना चाहिए था, वहां नियम-कायदों की धज्जियां उड़ाकर जयसिंहनगर के दोढ़ा, मोहनवी, झिरिया (पांड) और चन्देला जैसे अपात्र गांवों में करोड़ों रुपए के काम मंजूर करा दिए गए।

2025-26 और आगामी 2026-27 के बजट में उन पुराने कामों की उपयोगिता रोक दी गई जो पूरे हो चुके थे और नए फर्जी कामों की आड़ में ठेकेदारों से मोटा अवैध लेनदेन किया गया।

संदीपनी विद्यालय का 2.80 करोड़ी महाघोटाला

भ्रष्टाचार की सबसे वीभत्स तस्वीर जयसिंहनगर स्थित संदीपनी विद्यालय (पूर्व सी.एम. राइज) में देखने को मिलती है। विद्यालय भवन की मरम्मत के नाम पर 2.80 करोड़ रुपए का भारी-भरकम बजट हजम कर लिया गया, लेकिन मौके पर 10 प्रतिशत काम भी



नहीं हुआ। कागजों पर करोड़ों की मरम्मत की चमक दिख रही है, लेकिन बारिश होते ही स्कूल की छत से पानी ऐसे टपकता है, मानो आसमान छत के भीतर ही आ गया हो, कक्षाओं में पानी भरने से मासूम बच्चों का भविष्य अधर में लटक जाता है। सवाल यह है कि आखिर ये पौने तीन करोड़ रुपए किसकी जेब में समा गए?

10 साल से अंगद की तरह जमे अधीक्षक

जिले के छात्रावासों और विद्यालयों की स्थिति यह है कि यहां वर्षों से नियम-कायदों की बलि चढ़ाई जा रही है। कई शिक्षक पिछले **10-10 वर्षों से एक ही हॉस्टल में अधीक्षक बनकर ‘अंगद’ की तरह पैर जमाए बैठे हैं। ये सब सहायक आयुक्त की खास ‘कृपा’ के पात्र बने हुए हैं। मरम्मत और सामग्री खरीदी के नाम पर फर्जी बिल-वाउचर लगाकर करोड़ों रुपए आहरित कर लिए गए। भौतिक सत्यापन करा लिया जाए, तो आधी से ज्यादा इमारतों में चूना तक नहीं पोता गया है।

‘अवैध वसूली’ और अपात्रों का चयन

विभाग का पेट केवल निर्माण कार्यों से नहीं भरा, तो अतिथि शिक्षकों को भर्ती में भी धांधली का खेल शुरू कर दिया गया। संकुल प्राचार्यों से सॉट-गॉट कर पात्र और मेधावी युवाओं का हक मारा गया तथा लेन-देन करके अप्रशिक्षित व अपात्र अभ्यर्थियों की नियुक्तियां कर दी गईं। संकुल करकी के अंतर्गत आने वाली प्राथमिक शाला जैतहाई टोला, प्राथमिक शाला कोटिगढ़ और शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करकी में हुई नियुक्तियों पर

चाकू और बोटल से हमला करने वाले 4 शातिर आरोपी सलाखों के पीछे मुख्य आरोपी शमीम सोनू और अदनान समेत गैंग के चारों सदस्य गिरफ्तार



फोडकर हामिद की पीठ पर वार कर दिया। वहीं उसके साथी शमीम खान ने जेब से धारदार चाकू निकालकर हामिद और बीच-बचाव करने आए उसके दोस्त पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी जान से

मारने की धमकी देते हुए मौके से रफूचककर हो गए।

पीड़ित की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने बीएनएस और आम्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर तलाश शुरू की। थाना प्रभारी निरीक्षक राघवेंद्र तिवारी की टीम ने घेराबंदी कर चारों आरोपियों शमीम अहमद उर्फ सोनू उम्र 21 वर्ष, नूरी मस्जिद के पीछे, पुरानी बस्ती, अदनान अली उम्र 22 वर्ष, दुर्गा मंदिर के पास, पुरानी बस्ती, अनुज सिंह तोमर उम्र 19 वर्ष, रेलवे फाटक के पास, पुरानी बस्ती, अब्दुल रहमान उर्फ छोटा भैया उम्र 23 वर्ष, पंचगांव रोड, पुरानी बस्ती को दबोच लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया है। इस त्वरित और प्रभावी कार्रवाई में सउनि रूप सिंह, प्रधान आरक्षक गिरीश मिश्रा, अशाशांम कुशवाहा, लक्ष्मी पटेल और आरक्षक विकास की भूमिका रही।

कलेक्टर बंगले के सामने तेज रफ्तार कार ने स्कूटी सवार को मारी टक्कर गंभीर रूप से घायल, हाल में ही एक महिला की हो चुकी है मौत



शहडोल। शहडोल शहर के

भीतर बेलगाम रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। शहर के अंदरूनी मार्गों पर दौड़ते तेज रफ्तार वाहन लगातार मौत नागरिकों की जान के लिए बड़ा खतरा बनते जा रहे हैं। हाल ही में एक स्कूटी सवार महिला को तेज रफ्तार कार द्वारा कुचलकर मौत के घाट उतारने का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि अब कलेक्टर बंगले के सामने एक और भीषण सडक हादसा सामने आया है। शहर के बीचोंबीच कलेक्टर निवास के सामने एक अनियंत्रित ऑल्टो कार क्रमांक एमपी-18-सी-5417 ने सामने से जा रही स्कूटी क्रमांक

एमपी-18-एस-3430 को जोरदार टक्कर मार दी, टक्कर इतनी भीषण थी कि तेज रफ्तार कार का टायर तक फट गया, इस दर्दनाक हादसे में स्कूटी चालक गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसे स्थानीय नागरिकों की मदद से तुरंत इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।

दुर्घटनाग्रस्त ऑल्टो कार पर प्रदेश प्रभारी केशरिया जागृति वाहिनी महिलामोर्चा भोपाल के नाम की पट्टी लगी हुई थी, घटना के तुरंत बाद गैरि पर भारी भीड़ एकात्रित हो गई, जिससे कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया और अफरातफरी का माहौल बन गया, सूचना मिलते ही

कोतवाली थाना पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और यातायात को सुचारू किया। इस घटना के बाद शहरवासियों में आक्रोश देखा जा रहा है। लोगों का कहना है कि शहर की सडकों को हाइवे की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है और बेलगाम वाहन चालकों पर कोई नियंत्रण नहीं है। कुछ ही दिन पूर्व स्टेशन जा रही एक महिला को तेज रफ्तार कार द्वारा कुचलकर मारे जाने की घटना के बाद भी प्रशासन द्वारा सख्त कदम न उठाया जाना नागरिकों की सुरक्षा पर बड़ा सवालिया निशान खड़ा करता है।

जंगल में हाथ बांधकर की गई संदीप की नृशंस हत्या

शहडोल। जिले के गोहपारू थाना क्षेत्र के चर्चित और सनसनीखेज संदीप उर्फ गोलू गुप्ता हत्याकांड में अदालत ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश, शहडोल की अदालत ने हत्या और सबूत मिटाने की दोषी आरोपी काजल सोनी पिता झारका प्रसाद सोनी, निवासी वार्ड नं. 06, करुआ रोड, गोहपारू को धारा 302 के तहत आजीवन कारावास और धारा 201 के तहत 3 वर्ष के अतिरिक्त कारावास व जुर्माने की सजा सुनाई है।दिल नहला देने वाली यह वारदात 29 जुलाई 2022 की है। डायल 100 को सुचना मिली थी कि ग्राम सोनटोला के जंगल में एक युवक का शव पड़ा है। पुलिस जब मौके पर पहुंची और शिनाख्त कराई, तो मुक्त की पहचान संदीप उर्फ गोलू गुप्ता निवासी गोहपारू के रूप में हुई। जांच में सामने आया कि हत्यारों ने संदीप के हाथों को कपड़े से सड़ई के पेट में बांध दिया था और फिर किसी धारदार हथियार से उसकी गर्दन पर ताबड़तोड़ हमला कर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी थी। वारदात के बाद साक्ष्य छुपाने की नीयत से शव को जंगल में छोड़ दिया गया था।गोहपारू पुलिस ने अपराध क्रमांक 373/22 दर्ज कर विवेचना के बाद चालान कोर्ट में पेश किया। मुकदमे के दौरान विशेष लोक अभियोजक श्रीमती कविता कैथवास ने सभी अभियोजन साक्ष्यों के बयान कराए और विशेष लोक अभियोजक अशोक प्रियदर्शी ने अंतिम तर्क प्रस्तुत किए। मामले की नृशंसा, साक्ष्यों की मजबूती और अभियोजन के अकाट्य तर्कों से सहमत होकर माननीय न्यायालय ने आरोपी काजल सोनी को दोषी ठहराते हुए ताउम्र सलाखों के पीछे भेजने का फरमान सुनाया।

22 गांवों के 717 कच्चे मकानों को पीएम आवास से जोड़ने का मास्टर प्लान तैयार

शहडोल। संमाण के जंगलों से सटे इलाकों में जंगली हाथियों की लगातार दस्तक और तबाही से परेशान ग्रामीणों के लिए एक बड़ी राहत मरी खबर आई है। हाथियों के हमले में बार-बार टूट रहे कच्चे मकानों की जगह अब ग्रामीणों को पक्के आशियाने दिए जाएंगे। वन विभाग ने हाथियों के डर के साए में जी रहे परिवारों की सुरक्षा के लिए एक दीर्घकालिक मास्टर प्लान तैयार किया है, जिसके तहत प्रभावित कच्चे मकानों को सीधे प्रधानमंत्री आवास योजना से जोड़ा जाएगा। इस संबंध में डीएफओ तरुणा वर्मा ने मैदानी सर्वे रिपोर्ट के साथ कलेक्टर को स्वीकृति हेतु प्रस्ताव भेज दिया है। प्रस्ताव को मंजूरी मिलते ही खपरेल और मिट्टी की कच्ची दीवारों पर टिकी ग्रामीणों की जिंदगी को पक्की छत का मजबूत सुरक्षा कवच मिल जाएगा।

22 गांवों के 717 मकानों पर मंडरा रहा हाथियों का खतरा - वन विभाग द्वारा कराए गए सर्वे के मुताबिक, जंगल की सीमा से सटे 22 अति-संवेदनशील गांवों में 717 कच्चे मकानों को चिह्नित किया गया है। ये वे घर हैं, जिन्हें हाथियों का दल अपनी आवाजाही के दौरान सबसे पहले निशाना बनाता है या नुकसान पहुंचाता है।

इन गांवों में सबसे ज्यादा खतरा अमझौर -102 मकान शहडोल क्षेत्र- 84 मकान रामगढ़ व सतसरी-56-56 मकान झिरिया- 53 मकान चंदेल- 44 मकान



बकड़ाडोल- 42, टेंका- 38 और बाटो- 37 कच्चे मकान निगरानी से आगे बढ़कर स्थाई समाधान की पहल- शहडोल ही नहीं, बल्कि पड़ोसी जिलों अनूपपुर, उमरिया और सीधी के सीमावर्ती इलाकों में भी जंगली हाथियों की हलचल लगातार बनी रहती है। वर्तमान में ब्यौहारी क्षेत्र में हाथियों का दल मौजूद है, जहां वन अमला रात-दिन गश्त कर ग्रामीणों को सतर्क कर रहा है। अब तक प्रशासन केवल तात्कालिक राहत मुआवजा देने और गिरावनी तक सीमित था, लेकिन इस नई पहल से मानव-हाथी द्वंद्व को रोकने में बड़ी मदद मिलेगी। हाथियों के अचानक गांव में घुसने पर कच्चे मकानों के दहने और जनहानि का जोखिम भी न्यूनतम हो जाएगा।

इनका कहना है...

ब्यौहारी वन परिक्षेत्र में करीब 25 हाथी मौजूद हैं, जो रात में भोजन की तलाश में जंगल से बाहर आते हैं। कच्चे मकानों में रखे खाद्यान्न की गंध से हाथी इन घरों तक पहुंचकर उन्हें नुकसान पहुंचा देते हैं। समाधान के लिए 22 गांवों के 717 कच्चे मकानों को पीएम आवास योजना से जोड़ने या पुनर्वस का प्रस्ताव तैयार कर सर्वे रिपोर्ट कलेक्टर को भेजी गई है। तरुणा वर्मा वनमंडलाधिकारी उत्तर वन मंडल, शहडोल

शासकीय कार्य में बाधा डालने वाला ‘बोग्गा’ गिरफ्तार रामपुर-बटुरा खदान में गुंडागर्दी करने वाले आरोपी को भेजा जेल



शहडोल। रामपुर बटुरा खुली खदान के कोयला यार्ड में अवैध वसूली और गुंडागर्दी के बल पर शासकीय कार्य में अड़ंगा डालना एक बदमाश को भारी पड़ गया। अमलाई पुलिस ने रात के अंधेरे में सुरक्षा जवानों पर हमला करने, मारपीट करने और वंदी फाड़ने के आरोपी हीरामणी त्रिपाठी उर्फ बोगा को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया है। एसपी डॉ. संजय कुमार अग्रवाल द्वारा अवैध गतिविधियों

और उपद्रवियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना प्रभारी निरीक्षक भूपेंद्र मणि पांडेय की टीम ने यह त्वरित कार्रवाई की है।घटना 26 और 27 सितंबर 2026 की दरम्यानी रात रामपुर बटुरा खदान के कोयला यार्ड और कांटा घर इलाके की है। राय्य औद्योगिक सुरक्षा बल के आरक्षक अजय कुमार पटेल ने अमलाई थाने में दर्ज शिकायत में बताया कि कुछ असमाजिक तत्व खदान परिसर में

घुसे और कोयला ढोने वाले ट्रकों की जबन रोककर अवैध वसूली (रंगदारी) करने लगे। जब ड्यूटी पर तैनात सुरक्षाकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर उन्हें रोकने और समझाने की कोशिश की, तो आरोपी आपे से बाहर हो गए। उपद्रवियों ने सुरक्षा जवानों के साथ जमकर गाली-गलौज, धक्का-मुक्की और मारपीट शुरू कर दी।

हमले के दौरान आरोपियों ने एसआईएसएफ के आरक्षक अंतराम

चाकू से गोदकर हत्या करने वाले आरोपी को उम्रकैद प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश की अदालत ने सुनाया फैसला

शहडोल। दुकान के सामने ग्राहक की बाइक खड़ी कराने जैसी मामूली सी बात पर चाकू घोंपकर एक व्यक्ति की हत्या करने वाले आरोपी को अदालत ने कड़ी सजा सुनाई है। माननीय प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश शहडोल की अदालत ने पांडव नगर निवासी आरोपी अतुल सेन को धारा 302 भादवि के तहत दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास और 500 रुपये के अर्थदंड की सजा से दंडित किया है।

दिल दहला देने वाली यह घटना 1 सितंबर 2023 की शाम करीब 8 बजे की है। फरियादी अपनी दुकान पर मौजूद था, तभी मोहल्ले के ज्ञानेंद्र पटेल सौदा खरीदने उसकी दुकान पर पहुंचे थे। इसी दौरान पड़ोसी अतुल सेन वहां आया और यह कहते हुए गालियां देने लगा कि तुम दुकान पर ग्राहक बुलाकर मेरे घर के

सामने गाडियां खड़ी करवाते हो। जब फरियादी और उसकी मां ने गाली देने से मना किया, तो अतुल मारपीट पर उतारू हो गया। ग्राहक ज्ञानेंद्र पटेल ने बीच-बचाव करते हुए कहा कि मैं अभी पुलिस को फोन करता हूं। इतने में आपा खो चुका अतुल सेन दौड़कर अपने घर के भीतर गया और धारदार चाकू लेकर बाहर आया। उसने जान से मारने की नीयत से ज्ञानेंद्र पटेल के सीने में सीधे चाकू घोंप दिया।

सीने में गहरा घाव लगने के कारण ज्ञानेंद्र पटेल खून से लतपत होकर वहीं जमीन पर गिर पड़े और बेहोश हो गए। घमकते को अंजाम देने के बाद आरोपी दोबारा जान से मारने की धमकी देता हुआ चाकू लेकर भाग खड़ा हुआ। घायल ज्ञानेंद्र पटेल को तुरंत मेडिकल कॉलेज शहडोल ले जाया गया, जहां

इलाज के दौरान उनकी दर्दनाक मौत हो गई।

कोतवाली पुलिस ने अपराध क्रमांक 654/23 दर्ज कर चालान अदालत में प्रस्तुत किया। प्रकरण की सुनवाई के दौरान विशेष लोक अभियोजक श्रीमती कविता कैथवास ने सभी अभियोजन साक्षियों के साक्ष्य कराए तथा विशेष लोक अभियोजक अशोक प्रियदर्शी ने अंतिम तर्क प्रस्तुत किए। मामले की गंभीरता, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अभियोजन के मजबूत तर्कों से सहमत होकर माननीय न्यायालय ने आरोपी अतुल सेन पिता स्व. जगदीश सेन, निवासी वार्ड नं. 06/09 पांडव नगर, शहडोल को हत्या का दोषी पाया और उसे ताउम्र सलाखों के पीछे भेजने का आदेश दिया।



नवविवाहिता की मौत के मामले में पति गिरफ्तार, चार माह पहले किया था प्रेमविवाह

कोतमा। नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 12 स्थित गोविंद कॉलरी में 17 सितंबर को 20 वर्षीय नवविवाहिता नेहा कहार का शव घर में फांसी के फंदे पर लटका मिला था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। नवविवाहिता की मौत का मामला होने के कारण एसडीओपी आरती शाक्य, नायब तहसीलदार सहित पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया तथा मायके पक्ष के लोगों के बयान दर्ज किए। पुलिस के अनुसार, नेहा कहार ने करीब चार माह पूर्व पवन चौहान के साथ प्रेमविवाह किया था। विवाह के बाद दोनों आमाडोंड कॉलोनी में परिवार के साथ रह रहे थे। घटना के बाद मायके पक्ष के लोगों ने पति सहित अन्य पर प्रताड़ित करने और मारपीट करने के गंभीर आरोप लगाए। मामले की विवेचना के दौरान मायके पक्ष के कथन लिए गए। पुलिस के मुताबिक, जांच में यह बात सामने आई कि नेहा का पति पवन चौहान आए दिन उसके साथ विवाद और मारपीट करता था। इसके बाद पुलिस ने पति पवन चौहान के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर विकासखंड स्तरीय संगोष्ठी आयोजित

एकात्म मानववाद एवं अंत्योदय के विचारों पर हुआ मंथन

जयसिंहनगर। पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में रविवार 27 सितंबर को संदीपनी विद्यालय, जयसिंहनगर में विकासखंड स्तरीय संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में उनके जीवन, संघर्ष, विचारों एवं राष्ट्र निर्माण में योगदान पर वक्ताओं ने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दिलीप पयासी रहे, जबकि अध्यक्षता समाजसेवी सातिका प्रसाद तिवारी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में नवांकुर

संगीत से पुलिस बैंड तक पहुंचा लकी जैन का सफर

कोतमा के लकी जैन का मप्र पुलिस आरक्षक (बैंड) भर्ती में चयन

कोतमा। नगर के वार्ड क्रमांक तीन आजाद चौक निवासी पूर्व पार्षद राकेश जैन के भतीजे एवं स्व. चक्रेश जैन के सुपुत्र शांति कुमार उर्फ लकी जैन का मध्यप्रदेश पुलिस आरक्षक (बैंड) भर्ती-2026 में चयन हुआ है। लकी ने कई वर्ष पूर्व कोतमा में संगीत के क्षेत्र में छोटी-सी शुरुआत की थी। निरंतर अभ्यास और मेहनत के दम पर उन्होंने न केवल संगीत के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई, बल्कि अब पुलिस विभाग में बैंड आरक्षक के रूप में चयनित



होकर नगर का नाम रोशन किया है। लकी के जीवन की यह उपलब्धि इसलिए भी खास है, क्योंकि सिर से पिता का साया उठने के बाद उनकी मां ने परिवार की जिम्मेदारियां संभालते हुए

बच्चों का पालन-पोषण किया और बेटे को आगे बढ़ने के लिए लगातार प्रोत्साहित किया। संघर्षों के बीच लकी ने संगीत को अपना हुनर बनाया और इसी क्षेत्र में निरंतर मेहनत करते हुए रोजगार का अवसर भी हासिल किया। लकी की सफलता यह संदेश देती है कि किसी भी क्षेत्र में छोटी शुरुआत यदि निरंतर मेहनत और लगन के साथ की जाए तो उसके बेहतर परिणाम सामने आते हैं। संगीत के क्षेत्र से शुरू हुआ उनका सफर अब मध्यप्रदेश पुलिस के बैंड दल तक पहुंच गया है। उनके चयन पर परिजनों, मित्रों और नगरवासियों ने बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

अमरकंटक में गूंजा श्रीमद्भागवत का अमृतमयी संदेश

बघेल रेजिडेंसी में सप्त दिवसीय कथा का शुभारंभ

अमरकंटक। मां नर्मदा के उद्गम और ऋषि-मुनियों की तपोभूमि के रूप में विख्यात प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक में इन दिनों श्रीमद्भागवत कथा के आध्यात्मिक स्वर गूंज रहे हैं। वार्ड क्रमांक 2 बराती स्थित बघेल रेजिडेंसी के विशाल सभा हाल में सोमवार से सप्त दिवसीय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का शुभारंभ हुआ। 28 सितंबर से 4 अक्टूबर तक चलने वाली इस कथा में जयपुर से आए लगभग ढाई सैकड़ महिला-पुरुष श्रद्धालु शामिल होकर भागवत कथा का श्रवण कर रहे हैं। जयपुर के सुप्रसिद्ध कथा वाचक पंडित छोटे कन्हैया महाराज द्वारा संगीतमय शैली में श्रीमद्भागवत महापुराण के विभिन्न प्रसंगों का वर्णन किया जा रहा है। कथा के दौरान भक्ति, भगवान के नाम स्मरण, धर्म, सदाचार और जीवन में ईश्वर के प्रति समर्पण के महत्व को भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया जा रहा है। कथा के आध्यात्मिक प्रसंगों के बीच श्रद्धालु भक्ति में लीन होकर भगवान का स्मरण कर रहे हैं। आयोजन के प्रथम दिवस प्रातः 10 बजे जयपुर से आए श्रद्धालुओं द्वारा संगीतमय वेशभूषा में भव्य कलात्मक शोभायात्रा निकाली गई। गाजे-बाजे और धार्मिक जयघोष के बीच निकली शोभायात्रा बघेल रेजिडेंसी से मां नर्मदा के पवित्र उद्गम स्थल परिसर तक पहुंची। नर्मदा उद्गम



कुंड में पंडित मोहन तिवारी एवं ऋषि जोशी द्वारा मंडल, कलश एवं श्रीमद्भागवत पुराण का शास्त्रोक्त विधि-विधान से पूजन कराया गया। वैदिक मंत्रोच्चार और मां नर्मदा के जयघोष से धर्म परिसर का वातावरण भक्तिमय हो उठा। उपस्थित दृष्टि से अमरकंटक की अपनी विशिष्ट महत्ता है। मां नर्मदा के उद्गम स्थल पर श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन श्रद्धालुओं के लिए विशेष आध्यात्मिक अनुभूति का अवसर बना है। सनातन परंपरा में श्रीमद्भागवत महापुराण को भगवान की भक्ति, ज्ञान, वैराग्य और सदाचार का मार्ग प्रशस्त करने वाला महत्वपूर्ण ग्रंथ माना गया है। भागवत श्रवण को मनुष्य के अंतर्मन में निहित करने, ईश्वर के प्रति श्रद्धा बढ़ाने और जीवन में धर्म एवं सद्भाव की भावना को दृढ़ करने वाली साधना के रूप में देखा जाता है। दोपहर 2 बजे विशाल सभा हाल में कथा का शुभारंभ हुआ, जो

शाम 7 बजे तक चली। प्रथम दिवस कथा वाचक पंडित छोटे कन्हैया महाराज ने श्रीमद्भागवत महापुराण के महत्त्व का वर्णन करते हुए प्रभात की भक्ति और नाम स्मरण के महत्व को समझाया। उन्होंने श्रद्धालुओं को बताया कि सांसारिक जीवन में रहते हुए भी मनुष्य भगवान के नाम का निरंतर स्मरण और श्रद्धा के साथ भजन-कीर्तन कर अपने जीवन को आध्यात्मिक दिशा दे सकता है। कथा के मुख्य जयमान जयपुर निवासी पंडित द्वारिका प्रसाद शर्मा हैं। उनके परिजनों एवं इष्ट-मित्रों द्वारा इस धार्मिक आयोजन का आयोजन कराया जा रहा है। कथा में शामिल होने के लिए जयपुर से लगभग ढाई सैकड़ श्रद्धालु अमरकंटक पहुंचे हैं। सात दिनों तक चलने वाली इस कथा में श्रीमद्भागवत के विविध प्रसंगों का संगीतमय वाचन होगा, जिससे बघेल रेजिडेंसी सहित आसपास का वातावरण निरंतर भक्तिमय बना रहेगा।



की प्रस्तावित चौड़ाई 35 मीटर रखी है। पहले जिस सड़क की चौड़ाई करीब 59 फीट बताई जाती थी, उसके स्थान पर नए विकास प्लान के अनुसार 35 मीटर चौड़े मार्ग को आकार दिया जा रहा है। खास बात यह है कि नोटिस जारी होने के बाद भी इस बार किसी बड़े विरोध की स्थिति सामने नहीं आई। लोगों में यह समझ बढ़ी है कि सड़क चौड़ी होने से भविष्य में पूरे शहर को इसका लाभ मिलेगा।

दो दशक पहले जैसा बाजार लौटने की उम्मीद

धनपुरी कभी आसपास के गांवों के लोगों के लिए बड़ा व्यापारिक केंद्र माना जाता था। अमलाई, संजय नगर, देवरा, डेरोल, पटना, सकरा, जमुड़ी सहित करीब 25 से 30 गांवों के लोग खरीदारी और अन्य जरूरतों के लिए धनपुरी बाजार आते थे। उस समय बाजार में व्यापारियों के पास ग्राहकों की कमी नहीं रहती थी। समय के साथ आबादी बढ़ी, सड़कें संकरी हुईं और वाहनों की संख्या भी बढ़ती गई। भारी वाहनों की आवाजाही और यातायात की परेशानियों का असर शहर के व्यापार पर भी पड़ा। धीरे-धीरे कारोबार का बड़ा हिस्सा बुढ़ार की ओर स्थानांतरित होता गया।

अब विकास की नई तस्वीर की उम्मीद

करीब एक दशक पहले धनपुरी नगर से बुढ़ार कॉलेज और आगे की दिशा में सड़क विकास एवं चौड़ीकरण के काम हुए थे। बुढ़ार की ओर से धनपुरी में प्रवेश करने पर चौड़ी सड़क, डिवाइडर और फुटपाथ शहर के विकास की अलग पहचान दिखाई देते हैं। अब नगर पालिका भवन से सिद्धबाबा डोंगरिया तक प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण को उसी विकास की अपली कड़ी के रूप में

राहडोल, उमरिया, अनूपपुर-आसपास

करीब 5 करोड़ की लागत से होगा कार्याकल्प

डेढ़ किलोमीटर की सड़क बदलेगी धनपुरी की तस्वीर और तकदीर



देखा जा रहा है। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि नया मार्ग तैयार होने के बाद धनपुरी में यातायात व्यवस्था सुधरेगी और शहर की सुंदरता में भी इजाफा होगा।

सड़क चौड़ी होगी तो बढ़ेगा व्यापार

सड़क चौड़ीकरण का असर केवल यातायात तक सीमित नहीं रहेगा। बेहतर सड़क, फुटपाथ, रोशनी और व्यवस्थित नाली व्यवस्था से बाजार क्षेत्र में आने-जाने वाले लोगों को सुविधा मिलेगी। व्यापारियों को उम्मीद है कि इससे ग्राहकों की आवाजाही बढ़ेगी और धनपुरी के बाजार को फिर से मजबूती मिल सकती है। लंबे समय से संकरी सड़क और यातायात की समस्या से जूझ रहे शहर के लिए यह परियोजना भविष्य की जरूरत के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

विरोध के बजाय मिल रहा सहयोग

सड़क चौड़ीकरण को लेकर प्रभावित लोगों को नोटिस दिए जा रहे हैं, लेकिन अभी तक किसी बड़े विरोध की स्थिति सामने नहीं आई है। स्थानीय स्तर पर लोग भी यह मान रहे हैं कि कुछ समय की परेशानी के बाद जब सड़क पूरी तरह तैयार होगी तो इसका लाभ आने वाले वर्षों तक शहर को मिलेगा। शहरवासियों का कहना है कि विकास कार्यों में वर्तमान की छोटी असुविधा को देखते हुए भविष्य की बड़ी सुविधा को प्राथमिकता देना जरूरी है।

लोगों ने कहा—अब धनपुरी को नई पहचान मिलेगी



पाली में सड़क ढूंढते रह जाओगे, गड्डों में यमलोक का सफर तय कर रहे राहगीर

उमरिया। सुबे की सरकार भले ही स्मार्ट सिटी और शहर से गांव तक सड़कों का जाल बिछाने का दिवेंद्रा पीटने न थकती हो, लेकिन बिरसिंहपुर पाली की हकीकत इन दावों पर जोरदार तमाचा जड़ रही है। यहां विकास की गंगा बहना तो दूर, सड़कों अपना अस्तित्व ही खो चुकी हैं। स्थिति यह है कि पाली प्रोजेक्ट तिराहे से साईं मंदिर तिराहा और प्रोजेक्ट तिराहे से एमपीईसी प्रकाश नगर कॉलोनी की ओर जाने वाला मार्ग अब डामर का रास्ता नहीं, बल्कि मौत का कुआं बन चुका है।

सड़क में गड्डे हैं या गड्डों के बीच सड़क

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर अंत्योदय और एकात्म मानववाद का संदेश
कोतमा। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड कोतमा के तत्वावधान में 27 सितंबर को शासकीय महाराजा मार्टंड महाविद्यालय में एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती गरिमाजन्य वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम में उनके विचारों और अंत्योदय के सिद्धांतों पर चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को सामाजिक सरोकारों से जुड़ने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी एवं पूर्व जिला उपाध्यक्ष, भाजपा जन्मभागीदारी अध्यक्ष हनुमान गर्ग उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में परिषद के विकासखंड समन्वयक सरिमत साकेत मौजूद रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन दिलीप शुक्ला ने किया। मुख्य वक्ता हनुमान गर्ग ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय दर्शन और एकात्म मानववाद के सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों से उनके विचारों और आदर्शों को जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। साथ ही समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की पहुंच सुनिश्चित करने में युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के परामर्शदाता तथा मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी केंद्रों में संपन्न हुआ आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम

स्वास्थ्य, पोषण और जनकल्याणकारी योजनाओं की दी जानकारी

भालूमाड़ा। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नगर पालिका पसान क्षेत्र के सभी 18 वार्डों के आंगनबाड़ी केंद्रों में आयोजित तीन दिवसीय ‘आंगन मिलन सेवा’ कार्यक्रम उत्साह, सेवा भावना और जनसहभागिता के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य जनप्रतिनिधियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और स्थानीय मातृशक्ति के बीच सीधा संवाद स्थापित कर स्वास्थ्य, पोषण तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाना रहा। कार्यक्रम के दौरान पसान मंडल के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों में उत्सव जैसा माहौल रहा। बड़ी संख्या में महिलाएं, गर्भवती माताएं, किशोरियां और बच्चे शामिल हुए। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं ने अतिथियों का तिलक लगाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम में महिलाओं को संतुलित आहार, पोषण और स्वस्थ जीवनशैली के संबंध में जानकारी दी गई। गर्भवती माताओं को प्रसव पूर्व देखभाल, नियमित टीकाकरण, पोषण आहार तथा आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में बताया गया। बच्चों को स्वच्छता, हाथ धोने और अच्छी दैनिक आदतों के प्रति जागरूक किया

व्यापारी

धनपुरी में पहले बाजार काफी अच्छा था। सड़क चौड़ी होगी तो बाहर से आने वाले लोगों को भी सुविधा मिलेगी। फुटपाथ और लाइट से बाजार का माहौल बेहतर होगा। हमें उम्मीद है कि इससे व्यापार को भी फायदा मिलेगा।

राजनीतिक प्रतिनिधि —

धनपुरी के विकास के लिए सड़क चौड़ीकरण बेहद जरूरी था। आने वाले समय में यह सड़क शहर की पहचान बनेगी। विकास कार्यों में सभी को सहयोग करना चाहिए, क्योंकि इसका लाभ आने वाली पीढ़ियों को भी मिलेगा।

स्थानीय महिला—

अभी सड़क पर चलने में काफी परेशानी होती है। फुटपाथ बनने से महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को बहुत सुविधा मिलेगी। सड़क सुंदर होगी तो शहर भी सुंदर दिखाई देगा।

युवा —

धनपुरी को अब आधुनिक शहर की तरह विकसित होने की जरूरत है। चौड़ी सड़क, डिवाइडर, लाइट और फुटपाथ बनने से शहर का पूरा लुक बदल जाएगा। हमें उम्मीद है कि काम जल्द पूरा होगा।

छह माह में पूरा होने की उम्मीद

नगर पालिका की इस परियोजना से धनपुरी को एक व्यवस्थित और आधुनिक मुख्य मार्ग मिलने की उम्मीद है। करीब डेढ़ किलोमीटर लंबे मार्ग पर होने वाला यह काम पूरा होने के बाद शहर की तस्वीर में बड़ा बदलाव दिखाई दे सकता है। सड़क के दोनों ओर सुविधाएं, बीच में डिवाइडर और प्रकाश व्यवस्था के साथ फुटपाथ बनने से यह मार्ग धनपुरी के प्रमुख विकसित मार्गों में शामिल हो सकता है। अब नजर इस बात पर है कि निर्माण कार्य निर्धारित समय में पूरा होकर धनपुरी को वह नई सड़क कब मिलती है, जिसका इंतजार शहरवासी लंबे समय से कर रहे हैं।

विकास के बड़े-बड़े दावों की खड़ों में खुली पोल

के लिए अपाहिज होकर बिस्तर पर आ गए हैं। इसके बावजूद न तो क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों का दिल पिघल रहा है और न ही एसी कमरों में बैठे जिम्मेदार अधिकारियों की नींद टूट रही है। स्थानीय निवासी का कहना है कि हम तो साहब भगवान भरोसे ही घर से निकलते हैं। पता नहीं सही-सलामत लौटने या नहीं। कई बार नेताओं से गुहार लगाई, लेकिन चुगल बौतते ही सब हवा हो जाता है।

जनसेवक मौन, अफसरों के पास नो कमेंट्स

जमना की गाढ़ी कमाई से टैक्स वसूलने वाला प्रशासन इस कदर बेपरवाह हो चुका है कि जून इस गमीर मुद्दे पर जिम्मेदार अधिकारियों का रुख जानने की कोशिश की गई, तो वे हमेशा की तरह कैमरे और फोन से बचते नजर आए। ऐसा लगता है कि अफसरों ने मौन दत धारण कर रखा है और उन्हें किसी बड़ी जनहानि का इंतजार है। क्षेत्रवासियों का सब अब जवाब दे चुका है। उन्होंने जिला प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस जर्जर मार्ग का पुनर्निर्माण नहीं कराया गया और गड्डों को नहीं पाटा गया, तो वे सड़कों पर उतरकर उड़ा प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे।



गया। साथ ही लाड़ली बहना योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना सहित महिलाओं एवं बच्चों के लिए संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर पात्र हितग्राहियों को लाभ लेने की प्रक्रिया समझाई गई। कार्यक्रम की विशेष पहल के रूप में प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र पर बच्चों, माताओं, कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं एवं अतिथियों ने एक साथ बैठकर स्वल्पाहार किया। सामूहिक रूप से स्वल्पाहार करने की इस पहल के माध्यम से सामाजिक समरसता, सोहार्द और आपसी अपनत्व का संदेश दिया गया। यह आयोजन अनूपपुर जिला संयोजिका श्रीमती ज्योति शर्मा के मार्गदर्शन, भाजपा मंडल पसान प्रभारी श्रीमती रश्मि खरे के निर्देशन तथा कार्यक्रम प्रभारी श्रीमती मीनू तिवारी के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में नगर

पालिका पसान की पार्षद श्रीमती अलका जायसवाल, श्रीमती सविता सिंह, पूर्व पार्षद श्रीमती सालनी जायसवाल, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष श्रीमती अंजू गुप्ता सहित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती रीता पासवान, रूमा शर्मा, रीना सिंह, माधुरी शुक्ला, सरोज माझी, अनीता पासवान, शशि प्रभा श्रीवास्तव, रजनी प्रजापति, पुष्पा दास तथा बड़ी संख्या में महिलाएं एवं बच्चे उपस्थित रहे। समापन अवसर पर मंडल प्रभारी श्रीमती रश्मि खरे एवं कार्यक्रम प्रभारी श्रीमती मीनू तिवारी ने आयोजन की सफलता के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं की कमरठोती की सराहना की। उन्होंने कार्यक्रम में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया।





जिले में अब तक 940.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज

कटनी। जिले में 1 जून से 27 सितम्बर तक कुल 940.0 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। विदित हो कि पिछले आलोक्य अवधि के दौरान जिले में 1096.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस अवधि के दौरान रीठी तहसील में रिकार्ड 1441.1 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जबकि इस वर्ष जिले में इस अवधि के दौरान सबसे अधिक औसत वर्षा तहसील स्त्रीमनाबाद में दर्ज की गई है, जहाँ अब तक 1181.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गयी है। कटनी तहसील में 872.0 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जबकि तहसील रीठी में 1120.9 मिलीमीटर, बड़वारा तहसील में 730.9 मिलीमीटर, बरही तहसील में 760.0 मिलीमीटर और विजयराघवगढ़ तहसील में 1005.9 मिलीमीटर, बहोरीबंद तहसील में कुल 855.8 मिलीमीटर एवं स्लीमनाबाद तहसील में 1181.4 मिमी तथा दीमरखेड़ा में 989.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है।

अलग अलग सड़क हादसे में तीन घायल कटनी। माधवनगर थाना अंतर्गत विश्राम बाबा के पास तेज रफ्तार वाहन चालक की लापरवाही से ढाई वर्ष की मासूम बच्ची काव्या महोशिया गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। इसी क्षेत्र के विश्राम बाबा के पास तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से 45 वर्षीय रामजी के केवट निवासी रंगनाथनगर घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। रंगनाथनगर थाना क्षेत्र में आस्था प्लाजा के पास चार पहिया वाहन के चालक ने 68 वर्षीय पुरुषोत्तम दास सोनी को जोरदार टक्कर मार दी।

अंश सोनी का राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में चयन



स्लीमनाबाद। तहसील अंतर्गत शासकीय ठाकुर बुद्ध सिंह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तेवरी के प्रतिभावान विद्यार्थी अंश सोनी पिता संतोष कुमार सोनी का राज्य स्तरीय शालेय कबड्डी प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। अंश सोनी के चयन से विद्यालय परिवार एवं क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।अंश सोनी को इस उपलब्धि पर जिला शिक्षा अधिकारी सिच्चंदानंद पांडेय,जिला क्रीड़ा अधिकारी अनूप डांगीवाला,प्राचार्य राजेश कुमार सोनी,विकासखंड नोडल खेल प्रभारी अमर सिंह पटेल,जिला नोडल खेल प्रभारी प्रमोद डेहरिया,राकेश विश्वकर्मा,रामकुमार पटेल एवं सौरभ सिंह राजपूत ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं तथा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया।विद्यालय के प्राचार्य राजेश कुमार सोनी एवं समस्त स्टॉफ ने भी अंश सोनी तथा खेल प्रभारी महेंद्र सिंह को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। प्राचार्य ने कहा कि विद्यालय से होनहार खिलाड़ी का चयन विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों को खेलों के प्रति प्रेरित करेगा।विद्यालय परिवार ने अंश सोनी के उज्ज्वल भविष्य एवं आगामी प्रतियोगिता में सफलता की कामना की।

दिशा बागरी ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया गौरवान्वित सिलौंडी। सिलौंडी के समीपवर्ती



बागरी ने आल इंडिया कराटे प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल प्राप्त क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है ।

बुढ़ार का लाड सरिया हायर सेकेंडरी स्कूल जल्द होगा कटकोना शिफ्ट !

75 साल की शैक्षणिक विरासत पर बदलाव की आहट

5 किमी दूर बने संदीपनी विद्यालय में स्थानांतरण की तैयारी, विद्यार्थियों की आवाजाही और पुरानी संस्था के भविष्य को लेकर उठे सवाल

बुढ़ार। करीब 75 वर्षों से बुढ़ार की शैक्षणिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा रहे लाड सरिया हायर सेकेंडरी विद्यालय के जल्द ही कटकोना स्थित नवनिर्मित संदीपनी विद्यालय भवन में स्थानांतरित होने की तैयारियों की चर्चा ने नगर की शैक्षणिक व्यवस्था को लेकर नई बहस छेड़ दी है। यदि प्रस्तावित व्यवस्था लागू होती है तो बुढ़ार की शिक्षा व्यवस्था के स्वरूप में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। बताया जा रहा है कि शासन की योजना के तहत प्रत्येक ब्लॉक मुख्यालय पर एक विद्यालय को संदीपनी विद्यालय के रूप में विकसित कर कक्षा हल्ली से बारहवीं तक विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। बुढ़ार में स्थानाभाव के कारण संदीपनी विद्यालय के लिए कटकोना में नया भवन तैयार किया गया है।

नगर से पांच किलोमीटर दूर होगा विद्यालय

कटकोना बुढ़ार से लगभग पांच किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। ऐसे में विद्यालय स्थानांतरित होने के बाद विद्यार्थियों के प्रतिदिन आने-जाने की व्यवस्था महत्वपूर्ण मुद्दा बन गई है। विशेषकर छोटे बच्चों के लिए दूरी और सुरक्षित परिवहन अभिभावकों के लिए चिंता का विषय हो सकता है। चर्चा है कि विद्यार्थियों की सुविधा के लिए बुढ़ार से कटकोना तक शासन द्वारा बस सेवा संचालित की जा सकती है। हालांकि, इस संबंध में अंतिम और आधिकारिक व्यवस्था स्पष्ट होना अभी बाकी है।

लाड सरिया भवन में समेकित विद्यालयों की चर्चा

अपुष्ट जानकारी के अनुसार, लाड सरिया विद्यालय के वर्तमान भवन में बुढ़ार नगर की विभिन्न शालाओं को समेकित रूप से संचालित करने की तैयारी भी की जा रही है। वहीं गल्स हायर सेकेंडरी स्कूल को यथास्थान संचालित रखने की बात सामने आ रही है।यदि यह व्यवस्था लागू होती है तो बुढ़ार की वर्तमान शैक्षणिक संरचना में व्यापक परिवर्तन होगा। इसलिए

अभिभावकों और नागरिकों की नजर अब शिक्षा विभाग के आगामी निर्णय पर है।

विकल्प भी संभव, दोनों क्षेत्रों को मिल सकता है लाभ

नगर के लोगों के बीच यह सुझाव भी सामने आ रहा है कि संदीपनी विद्यालय योजना के तहत कटकोना एवं आसपास संचालित विद्यालयों को समेकित कर वहां संदीपनी विद्यालय का संचालन किया जाए, जबकि बुढ़ार के ऐतिहासिक लाड सरिया विद्यालय को यथावत रखा जाए। इस विकल्प से बुढ़ार की पुरानी शैक्षणिक संस्था भी संचालित रह सकती है और कटकोना क्षेत्र में संदीपनी विद्यालय के माध्यम से शासन की योजना का उद्देश्य भी पूरा किया जा सकता है।

सिर्फ भवन नहीं, 75 वर्षों की स्मृतियों से जुड़ा संस्थान

लाड सरिया विद्यालय बुढ़ार की शिक्षा व्यवस्था का पुराना और महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। दशकों से इस संस्था में अध्ययन करने वाले विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़े हैं। इसलिए विद्यालय के

अग्रवाल समाज की बैठक में बनी आयोजन की रूपरेखा, बृजवासी अग्रवाल अध्यक्ष और राजू अग्रवाल उपाध्यक्ष बनाए गए

महाराजा अग्रसेन जयंती पर निकलेगी भव्य शोभायात्रा, दो दिन गूजेगा सांस्कृतिक उत्सव



धनपुरी। कोयलांचल की नगरी धनपुरी में महाराजा अग्रसेन जी की 5150वीं जयंती इस वर्ष भव्य और गरिमामय स्वरूप में मनाई जाएगी। जयंती समारोह की तैयारियों को लेकर 27 सितंबर की शाम 7 बजे आजाद चौक स्थित नगर में प्रतिष्ठित व्यवसायी बृजवासी अग्रवाल के निवास पर अग्रवाल समाज की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में समाज के महिला-पुरुषों सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। सामूहिक विचार-विमर्श के बाद जयंती महोत्सव की विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई और नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई।

दो दिवसीय होगा महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव

जयंती समारोह के अध्यक्ष बृजवासी अग्रवाल ने बताया कि 10 एवं 11 अक्टूबर को आनंत उत्सव पैलेस में दो दिवसीय महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव आयोजित किया जाएगा। इसमें महिला, पुरुष एवं बच्चों के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल और मनोरंजक प्रतियोगिताएं होंगी। समाज के सभी वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए कार्यक्रमों को अलग-अलग वर्गों के अनुसार रखा गया है।

11 अक्टूबर को निकलेगी भव्य शोभायात्रा

महोत्सव का प्रमुख आकर्षण 11 अक्टूबर को निकाली जाने वाली महाराजा अग्रसेन जी की भव्य शोभायात्रा होगी। दोपहर 4 बजे श्री राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण से बैड-बाजे के साथ शोभायात्रा प्रारंभ होगी। शोभायात्रा आजाद चौक, माइकल चौक, इमामबाड़ा सहित नगर के प्रमुख मार्गों से होकर अनंत उत्सव पैलेस पहुंचेगी। अनंत उत्सव पैलेस में शाम 6 बजे महाराजा अग्रसेन जी की महाआरती की जाएगी। इसके बाद



सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारंभ होगा। आयोजन को लेकर समाज के लोगों में उत्साह का माहौल है और शोभायात्रा को भव्य बनाने के लिए तैयारियां की जा रही हैं।

बच्चों और महिलाओं के लिए होंगी प्रतियोगिताएं

महिला मंडल अध्यक्ष अंजू अग्रवाल ने बताया कि 10 अक्टूबर को दोपहर 1 बजे से आनंत उत्सव पैलेस में बच्चों एवं महिलाओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। बच्चों के लिए जूनियर और सीनियर वर्ग में अलग-अलग प्रस्तुतियां रखी जाएंगी। वहीं पुरुष,महिलाओं के लिए विभिन्न खेल, मनोरंजक एवं रोचक प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी।

उन्होंने बताया कि प्रतियोगिताओं में निर्धारित समय और आयोजन की गाइडलाइन का पालन करना सभी प्रतिभागियों के लिए आवश्यक रहेगा। आयोजन का उद्देश्य समाज की प्रतिभाओं को मंच देने के साथ ही परिवारों के बीच आपसी मेल-जोल और सहभागिता को बढ़ावा देना है।

बैठक में लकी झा और पंकवुअलिटी गेम ने बांधा उत्साह

जयंती समारोह के उपाध्यक्ष राजू अग्रवाल ने बताया कि बैठक के दौरान महिला एवं पुरुष वर्ग के बीच लकी झा भी आयोजित किया गया। इसमें बृजवासी अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, लता अग्रवाल और भावना अग्रवाल विजेता रहे। वहीं पंकवुअलिटी गेम में देवी अग्रवाल प्रथम स्थान



प्राप्त किया, जबकि गोविंद, गोकुल और राजेश उपविजेता रहे। विजेताओं को उपहार देकर सम्मानित किया गया।

नई कार्यकारिणी की घोषणा

बैठक में महाराजा अग्रसेन जयंती 2026 के लिए नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। संरक्षक के रूप में चंद्रशेखर अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, विश्वनाथ अग्रवाल, कैलाशनाथ अग्रवाल, देवी प्रसाद अग्रवाल और नंदकिशोर अग्रवाल को जिम्मेदारी दी गई।अध्यक्ष बृजवासी अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजू अग्रवाल, सचिव केदार अग्रवाल, सहसचिव लकी अग्रवाल तथा कोषाध्यक्ष राजेश अग्रवाल को बनाया गया। महिला मंडल में अध्यक्ष अंजू अग्रवाल, उपाध्यक्ष आरती अग्रवाल, सचिव गिरीश अग्रवाल और सहसचिव मोनिका अग्रवाल को दायित्व सौंपा गया।

समाज की एकजुटता बनी बैठक की खासियत

बैठक में अग्रवाल समाज की एकजुटता भी देखने को मिली। बड़ी संख्या में समाजजन आयोजन को सफल बनाने के लिए उपस्थित हुए और विभिन्न कार्यक्रमों को लेकर अपने सुझाव दिए। प्रमुख रूप से गोविंद अग्रवाल, मथुरा प्रसाद अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, डॉ. गोविंद अग्रवाल, गोकुल अग्रवाल, महेंद्र अग्रवाल, हेमंत अग्रवाल, आनंत अग्रवाल,विकास अग्रवाल,मंयक अग्रवाल, मुडुल अग्रवाल,अंचत अग्रवाल, तुषार अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, आयुष अग्रवाल, कृषि अग्रवाल सहित अन्य समाजजन उपस्थित रहे। महिला वर्ग से फूलमती अग्रवाल, मुन्नी देवी अग्रवाल, रीतू अग्रवाल, रोशनी अग्रवाल, निशा अग्रवाल, सविता अग्रवाल, सरिता अग्रवाल और नीतू अग्रवाल सहित अन्य सदस्य शामिल हुईं।

उमरिया में कलेक्टर की बैठक बनी औपचारिकता



100 दिन पुरानी शिकायतों पर चेतावनी, पर पलीता लगा रहे अफसर

उमरिया। हर हफ्ते की तरह इस बार भी कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक का कोरम पूरा किया गया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में आयोजित समय सीमा बैठक में वही पुराना फरमान दोहराया गया, लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी, 100 दिन से अधिक लंबित शिकायतों का निपटारा तुरंत करें, वरना अनुशासनात्मक कार्रवाई भुगतने तैयार रहें, लेकिन सवाल यह है कि कलेक्ट्रेट की बंद दीवारों में गूजने वाली इन चेतावनियों का धरातल पर क्या असर हो रहा है? सच्चाई यह है कि समीक्षा बैठकों के निर्देश अफसरों की मेजों तक पहुंचते-पहुंचते ठंडे बस्ते में चले जाते हैं। हर सप्ताह जिले की मुखिया का निर्देश देती है, पर बैठक खत्म होते ही इन आदेशों के मायने बदल जाते हैं।

बिरसिंहपुर पाली में ‘फोर्स क्लोजर’ का बड़ा खेल

प्रशासनिक दावों की हवा जनपद पंचायत बिरसिंहपुर पाली निकाल रही है। यहां की कई ग्राम पंचायतों में महीनों से दर्जनों शिकायतें धूल फांक रही हैं, लेकिन मजाल है कि जनपद के जिम्मेदार मुखिया या पीसीओ इस ओर ध्यान भी दें। जब शिकायतों का वक्त सीमा से पार होने लगता है और कलेक्टर की गाज गिरने का डर सताता है, तो जिम्मेदारों ने इससे बचने का एक नया फोर्स क्लोज हथियार ढूंढ निकाला है। बिना शिकायतकर्ता की संतुष्टि के, टेबल पर बैठे-बैठे शिकायतों को बंद कर दिया जाता है। जनसुनवाई और सीएम हेल्पलाइन के पोर्टल पर नंबर चमकाने के लिए आम जनता की समस्याओं को जबरन खारिज किया जा रहा है, लेकिन इस फर्जीवाड़े की सुध लेने वाला कोई नहीं है।

3 अक्टूबर को घुलघुली में कड़ा इम्तिहान

बैठक के दौरान कलेक्टर ने टोटक कहा कि कोई भी शिकायत बिना ध्यान दिए न रहे। आगामी 3

अधिकारियों की बेपरवाही पर

प्रशासन की सख्ती

बिरसिंहपुर पाली जनपद में ‘फोर्स

अक्टूबर को करेकली विकासखंड के घुलघुली क्षेत्र में प्रशासनिक भ्रमण और शिविर का आयोजन होना है। कलेक्टर ने सख्त हिदायत दी है कि शिविर से पहले क्षेत्र की तमाम पेंडिंग शिकायतों को निपटया जाए और सभी विभागीय अधिकारी भ्रमण के दौरान मौके पर हाज़िर रहें। इसके अलावा बैठक में निर्देश दिए गए कि कमिश्नर कार्यालय और सीएम ऑफिस की पेंडिंग फाइलों को तत्काल क्लियर किया जाए। विभागीय अफसर अपने अधीन आने वाली इमारतों के रखरखाव और मरम्मत की समुचित व्यवस्था करें। जनसुनवाई में आने वाले आवेदनों पर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट तुरंत पेश करें ताकि पोर्टल पर एंट्री में देरी न हो। एसडीएम राजस्व को निर्देश दिए गए कि गिरदावरी के काम में तेजी लाएं, ताकि किसान पंजीयन का काम न अटके।

बैठक में ये जिम्मेदार रहे मौजूद

समीक्षा बैठक में सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, डीएफओ विवेक सिंह, अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार शर्मा, एसडीएम बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज, प्रत्युष श्रीवास्तव, प्रिया अग्रवाल सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

उमरिया-आसपास

हरिभूमि

9

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

उमरिया-आसपास

स्थानांतरण का विषय केवल भवन परिवर्तन का मामला नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे नगर की शैक्षणिक विरासत और भविष्य की शिक्षा व्यवस्था से जोड़कर देखा जा रहा है।

नगरवासियों के सामने अब सबसे बड़ा सवाल

क्या बुढ़ार की पुरानी शैक्षणिक संस्था को यथावत रखते हुए संदीपनी विद्यालय की योजना को किसी वैकल्पिक स्थान पर प्रभावी ढंग से लागू किया जा सकता है? क्या विद्यार्थियों के लिए नियमित और सुरक्षित परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित होगी? क्या नए स्थान पर पर्याप्त शैक्षणिक एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी? इन सवालों का जवाब शासन और शिक्षा विभाग के निर्णय से ही स्पष्ट होगा। नगरवासियों का कहना है कि शासन की योजना का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है और उसका स्वागत किया जाना चाहिए। लेकिन स्थानीय परिस्थितियों, विद्यार्थियों की सुविधा और वर्षों पुरानी शैक्षणिक संस्था के महत्व को ध्यान में रखते हुए निर्णय लिया जाना भी आवश्यक है।

कोतमा में सजा साहित्य और कविता का अनूठा मंच

कोतमा। मध्य प्रदेश हिंदी साहित्य

सम्मेलन जिला इकाई अनुपपुर के

तत्वावधान में कोतमा नगर के

अग्रसेन भवन में दो दिवसीय राष्ट्रीय

साहित्यिक एवं सांस्कृतिक आयोजन

कोतमा साहित्य उत्सव का भव्य

शुभारंभ एवं कवि सम्मेलन संपन्न

हुआ। इस आयोजन ने क्षेत्र की

सांस्कृतिक और साहित्यिक चेतना

को एक नई ऊंचाइयां प्रदान की।

कार्यक्रम की शुरुआत 26 सितंबर को

प्रख्यात कथाकार उदय प्रकाश के गृह

ग्राम सीतापुर के भ्रमण, सोन नदी के

तट पर अनौपचारिक संवाद और

वृक्षारोपण के साथ हुई। इसके पश्चात,

दोपहर 3 बजे अग्रसेन भवन में

औपचारिक उद्घाटन सत्र का

आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र

में देश के प्रतिष्ठित साहित्यकार एवं

कवि उपस्थित रहे। कार्यक्रम मे

ख्यातलिब्ध कवि-कथाकार उदय

प्रकाश का विशेष सम्मान, अतिथियों

के प्रेरक उद्बोधन और नई पुस्तकों का



विमोचन से किया गया। इस दौरान प्रो. सदानंद शाही, डॉ. मुकेश कुमार, पलाश सुरजन और रामराव वामनकर सहित कई वरिष्ठ साहित्यकार उपस्थित रहे। सांध्यकालीन सत्र में देश के विभिन्न हिस्सों से पधारे नामी कवि और कहानीकारों ने अपनी रचनाओं से समां बांध दिया। इंदौर से तरण भटनागर, भोपाल से रामराव वामनकर, मनीष वेद्य सहित स्थानीय व राष्ट्रीय स्तर के कई प्रतिष्ठित रचनाकारों ने कविता पाठ और साहित्यिक संवाद में हिस्सा लिया।



शारदेय नवरात्रि की तैयारी को लेकर देव माता दुर्गा मंदिर म मढियाधाम में बैठक संपन्न

मानपुर। शारदेय पर्व को लेकर मढियांधाम प्रांगण में 27

सितम्बर शायं 7 बजे से बैठक का आयोजन मंदिर

(मढि़या) प्रांगण के सभागार में शारदेय

नवरात्रि एवं दशहरा उत्सव हर्षोल्लास

से से मनाये जाने हेतु प्रबंध समिति के

अध्यक्ष महोदय माननीय ओ.पी. द्विवेदी

की अध्यक्षता में बैठक प्रारम्भ की गई।

आयोजित बैठक में उपस्थित नगर

मानपुर के गणमान्य नागरिक एवं प्रबंध

समिति के माननीय सदस्यों की

ख़बर संक्षेप

मवेशियों को दूंसकर ले जा रहा पिकअप जंगल में छोड़ भागा चालक

अनूपपुर। मवेशियों को कम जगह में दूंस-दूंसकर और क्रूरतापूर्वक बांधकर ले जा रहे बोलरो पिकअप चालक ने पुलिस की नाकाबंदी देख वाहन को जंगल की झाड़ियों में उतार दिया और मौके से फरार हो गया। पीछा कर रही पुलिस ने वाहन की तलाशी ली तो उसके अंदर दो पड़े और एक बैस रस्सियों से पैर व सींग बांधकर बंधे मिले। फुनगा पुलिस ने तीनों मवेशियों सहित पिकअप वाहन को जब्त कर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 28 सितंबर को फुनगा चौकी पुलिस गश्त पर थी। इसी दौरान सूचना मिली कि बोलरो पिकअप में मवेशियों को दूंसकर कोतमा की ओर से छिल्पा की तरफ ले जाया जा रहा है। सूचना पर कोतमा एवं भालमाड़ा पुलिस ने नाकाबंदी की। पुलिस को देखकर चालक वाहन लेकर भागने लगा और पुलिस को चकमा देकर आगे निकल गया। इसके बाद फुनगा चौकी पुलिस ने मेन रोड छिल्पा पर नाकाबंदी कर दी। कोतमा और भालूमाड़ा पुलिस द्वारा पीछा किए जाने पर चालक ने पिकअप को सड़क से उतारकर जंगल की झाड़ियों में खड़ा कर दिया और मौके से फरार हो गया। पुलिस ने पिकअप को तलाशी ली तो उसमें दो पड़े और एक बैस मिली। पुलिस के मुताबिक मवेशियों के पैर और सींग रस्सियों से बांधे गए थे तथा उन्हें वाहन की बाँड़ी में बने हुक से बांधा गया था। इस तरह मवेशियों के परिवहन को पुलिस ने अवैध एवं क्रूरतापूर्वक परिवहन का मामला मानते हुए कार्रवाई की। पुलिस ने मौके पर पंचनामा तैयार कर तीनों मवेशियों तथा पिकअप वाहन को जब्त कर लिया। बरामद मवेशियों की अनुमानित कीमत 1.60 लाख रुपये तथा पिकअप वाहन की कीमत करीब 7 लाख रुपये बताई गई है। कुल 8.60 लाख रुपये का मशरूका जब्त किया गया है। पुलिस ने पिकअप चालक के विरुद्ध संबंधित धाराओं में अपराध दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है। वाहन चालक की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यवाई में उप निरीक्षक सोने सिंह परस्टे, प्रधान आरक्षक कृष्ण कुमार पटेल, कृपाल सिंह, रामखिलावन यादव, आरक्षक हर्षित गौतम, वीर सिंह, दिनेश किराड़े, महेश साहू, साइबर सेल के प्रधान आरक्षक पंकज मिश्रा तथा निजी चालक महेंद्र पनिका की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

तीन दिनों की मूसलाधार बारिश से अमरकंटक-गौरेला के तीन प्रमुख मार्ग बंद

अनूपपुर/अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक को छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले से जोड़ने वाले तीन प्रमुख संपर्क मार्ग लगातार हुई मूसलाधार बारिश के बाद बंद हो गए हैं। बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवाती तूफान के प्रभाव से क्षेत्र में तीन दिनों तक हुई झमाझम बारिश के चलते पहाड़ी हिस्सों से मलबा और पेड़ गिरने के कारण धरमपानी-दुर्गंधारा-पकरिया मार्ग, जालेश्वर-मदरवानी मार्ग तथा विश्वविद्यालय-पेंड्रा रोड मार्ग पर आवागमन पूरी तरह प्रभावित हुआ है।

वृद्धाश्रम में बुजुर्गों का स्वास्थ्य परीक्षण, रेडक्रॉस ने बांटी जरूरी सामग्री



अनूपपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा अनूपपुर द्वारा वृद्धाश्रम में स्वास्थ्य परीक्षण एवं सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान रेडक्रॉस की टीम ने वृद्धजनों से पिकअप जंगल कर उनकी कुशलक्षेम जानी और स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों की जानकारी ली। शिविर में वृद्धजनों का स्वास्थ्य परीक्षण करने के साथ उन्हें आवश्यक सामग्री भी वितरित की गई। कलेक्टर एवं भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष रत्नाकर झा के मार्गदर्शन तथा राज्य शाखा भोपाल के निर्देशानुसार आयोजित शिविर में वृद्धजनों की गैर-संचारी रोगों (एनसीडी),

रक्तचाप, रक्त शर्करा और नेत्र संबंधी जांच की गई। जरूरत के अनुसार र्लूकोज, इलेक्ट्रॉल और फलों का वितरण किया गया। रेडक्रॉस कार्यकर्ताओं ने वृद्धजनों के साथ समय बिताकर उनकी समस्याएं और आवश्यकताएं भी जानीं। रेडक्रॉस के सचिव डॉ. देवेंद्र तिवारी ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक मानवीय सेवा और सहयोग पहुंचाना है। वृद्धाश्रम में आयोजित कार्यक्रम इसी उद्देश्य के तहत सेवा, संवेदना और सम्मान की भावना के साथ किया गया। कार्यक्रम में रेडक्रॉस जिला प्रतिनिधि कमलाकर गौतम, बरबसपुर की सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी अस्मिता पटेल एवं अनुसूइया मरावी सहित अशोक शर्मा, सत्येन्द्र पाटकर, राकेश गौतम, अनिल तिवारी एवं श्री द्विवेदी उपस्थित रहे।

आईटीआई-पॉलिटेक्निक से दिलाया जाएगा कौशल प्रशिक्षण अनूपपुर। नर्मदा नदी को स्वच्छ एवं अविरल बनाए रखने के साथ उसके तटवर्ती गांवों में ग्रामीणों की आजीविका मजबूत करने की दिशा में प्रशासन ने जैविक एवं प्राकृतिक खेती, पशुपालन और उद्यानिकी को बढ़ावा देने की तैयारी शुरू की है। कलेक्टर रत्नाकर झा ने सोमवार को नर्मदा सभागार में हुई समन-सीमा समीक्षा बैठक में अधिकारियों को नर्मदा किनारे विभिन्न गांवों के ग्रामीणों को शासन की योजनाओं से जोड़कर स्थानीय स्तर पर रोजगार और आय के अवसर बढ़ाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निजी भूमि पर स्थानीय प्रजातियों के फलदार पौधे लगाने, तटवर्ती क्षेत्रों में फलोद्यान विकसित करने के लिए किसानों का चिन्हांकन करने तथा प्राकृतिक अस्मिता पटेल एवं अनुसूइया मरावी सहित अशोक शर्मा, सत्येन्द्र पाटकर, राकेश गौतम, अनिल तिवारी एवं श्री द्विवेदी उपस्थित रहे।



रहा। गौशालाओं की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक और पटवारीयों को नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए। गौशालाओं में सीसीटीवी कैमरे लगाने, बायोगैस संयंत्र की संभावनाओं का परीक्षण करने और उन्हें स्व-सहायता समूहों से जोड़ने को कहा गया। बायोगैस के स्थानीय उपयोग को ध्यान में रखते हुए कार्ययोजना तैयार करने तथा गौशालाओं को बेहतर और अनुकरणीय स्वरूप देने के निर्देश भी दिए गए। कंपनियों के प्रोजेक्ट क्षेत्रों से लगे गांवों के युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए भी कलेक्टर ने अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी।

उन्होंने पॉलिटेक्निक और आईटीआई के अधिकारियों को 21 वर्ष से अधिक आयु के युवाओं का सूचीकरण कराने तथा उनकी रुचि और स्थानीय जरूरत के अनुसार संबंधित ट्रेड में कौशल प्रशिक्षण दिलाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि कंपनियों और प्रशिक्षण संस्थानों के बीच समन्वय स्थापित कर युवाओं को कौशल प्रशिक्षण के बाद रोजगार के अवसरों से जोड़ा जाए। शिक्षा विभाग की समीक्षा में बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी, शैक्षणिक गुणवत्ता, खेल और रचनात्मक गतिविधियों पर जोर दिया गया। आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने तथा सेवा प्रदाता केंद्रों, आंगनबाड़ी, विद्यालयों और अन्य संस्थानों में

अधिकारियों एवं मैदानी अमले की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने जल कटाव वाले स्थानों पर सुरक्षा संरचनाएं तैयार करने, विद्यालयों के लिए पर्याप्त भूमि चिन्हित कर खेल मैदान विकसित करने, वार्षिक खेल कैलेंडर तैयार करने और प्रतियोगिताओं का आयोजन कराने को कहा। हाट-बाजार के लिए उपयुक्त स्थलों का भी चिन्हांकन किया जाएगा। बैठक में जिला खनिज प्रतिष्ठान, लोक निर्माण, जल संसाधन, मत्स्य, तकनीकी शिक्षा, श्रम, सामाजिक न्याय और जनजातीय कार्य सहित विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने पूर्ण निर्माण कार्यों का लोकार्पण कराने तथा लंबित कार्यों को निश्चित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ अर्चना कुमारी, अपर कलेक्टर बलवीर रमन, एसडीएम मुण्डराजगढ़ वसीम अहमद भट्ट, एसडीएम जैतहरी कमलेश पुरी, एसडीएम कोतमा टीआर नाग, एसडीएम अनूपपुर प्राशी अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।



एंबुलेंस का इंतजार... चार घंटे तड़पती रही महिला, शिफ्ट करते ही मौत कोतमा स्वास्थ्य केंद्र में गंभीर मरीज के लिए नहीं मिली समय पर एंबुलेंस



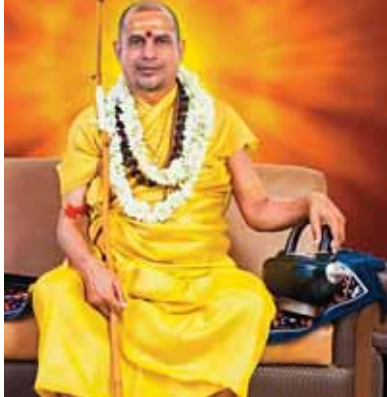
रेफर के बाद शुरू हुआ इंतजार

परिजनों का आरोप है कि रेफर किए जाने के बाद वे दोपहर करीब 2 बजे से एंबुलेंस का इंतजार करते रहे। महिला की हालत गंभीर थी और वह लगातार दर्द से कराह रही थी। परिजनों के अनुसार एंबुलेंस के लिए स्थानीय लोगों ने बीएमओ और सीएमओ को भी सूचना दी, लेकिन इसके बावजूद करीब

चार घंटे तक एंबुलेंस नहीं पहुंची। इस दौरान मरीज को समय पर उच्च स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाने के बजाय परिजन एंबुलेंस का इंतजार करने को मजबूर रहे। एंबुलेंस पहुंची तो टूट चुकी थी जिंदगी की डोर

मां नर्मदा की उद्गम स्थली पर गूंजेगा वेद-मंत्रों का स्वर अमरकंटक पधारेंगे द्वारका-शारदा पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य

अमरकंटक। मां नर्मदा की उद्गम स्थली, ऋषि-मुनियों की तपोभूमि और सनातन आध्यात्मिक परंपराओं की पावन धरा अमरकंटक आगामी दिनों में एक विशिष्ट धार्मिक एवं आध्यात्मिक अवसर की साक्षी बनने जा रही है। पश्चिमान्नाय द्वारका-शारदा पीठाधीश्वर अनंत श्री विभूषित 1008 परमपूज्य जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री सदानंद सरस्वती जी महाराज का 3 अक्टूबर से 6 अक्टूबर तक अमरकंटक प्रवास रहेगा। शंकराचार्य पद पर आसीन होने के पश्चात वह उनका अमरकंटक में प्रथम आगमन होगा। जगद्गुरु शंकराचार्य जी महाराज के आगमन की सूचना से श्री शंकराचार्य आश्रम सहित संत समाज, साधु-संतों एवं श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह का वातावरण निर्मित हो गया है। आश्रम में उनके स्वागत-अभिर्नंदन तथा प्रवास के दौरान आयोजित होने वाले धार्मिक अनुष्ठानों की तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। श्री शंकराचार्य आश्रम अमरकंटक के संचालक ब्रह्मचारी स्वामी श्री नर्मदानंद जी महाराज ने बताया कि जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी महाराज शंकराचार्य पद पर नियुक्त होने के बाद पहली बार अपने गुरुस्थान परमहंसी झोतेश्वर, गोटेगांव से अमरकंटक पधार रहे हैं। उनके आगमन पर आश्रम की ओर से विधि-विधान एवं श्रद्धाभाव के साथ स्वागत-अभिर्नंदन किया जाएगा।



धर्म-अनुष्ठानों से आलोकित होगी अमरकंटक की धरा

जगद्गुरु शंकराचार्य जी महाराज के प्रवास के दौरान विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पादुका पूजन के साथ ललिता सहस्रनाम पाठ, रुद्राभिषेक, मां नर्मदा का पूजन एवं दर्शन सहित अनेक धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन होगा। जगद्गुरु शंकराचार्य जी मां नर्मदा के उद्गम स्थल पहुंचकर विधिवत पूजन-अर्चन करेंगे। प्रवास के दौरान वे अमरकंटक क्षेत्र में निवासरत संत-महात्माओं से भेंट करेंगे तथा श्रद्धालुओं को सत्संग एवं आध्यात्मिक मार्गदर्शन

प्रदान करेंगे। उनके दर्शन और आशीर्वाचन प्राप्त करने के लिए अमरकंटक सहित आसपास के क्षेत्रों से श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

संत परंपरा और साधना की भूमि पर विशेष आध्यात्मिक अवसर

अमरकंटक सदियों से तप, साधना और सनातन आध्यात्मिक परंपरा का केंद्र रहा है। मां नर्मदा के उद्गम के साथ-साथ यह भूमि ऋषियों, मुनियों और साधु-संतों की साधना से अनुप्राणित रही है। ऐसे में द्वारका-शारदा पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी महाराज का प्रवास इस पावन भूमि पर धार्मिक गतिविधियों की विशेष स्वर प्रदान करेगा। उनके प्रवास के दौरान आश्रम परिसर सहित अमरकंटक के विभिन्न धार्मिक स्थलों पर मंत्रोच्चार, पूजन-अर्चन और आध्यात्मिक कार्यक्रमों से वातावरण भक्तिमय होने की उम्मीद है। संत समाज एवं श्रद्धालु भी जगद्गुरु के स्वागत और धार्मिक आयोजनों में सहभागिता की तैयारी में जुटे हैं। 3 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 6 अक्टूबर तक चलने वाले इस प्रवास को लेकर अमरकंटक में श्रद्धा और उत्सुकता का वातावरण है। मां नर्मदा की पावन धरा पर जगद्गुरु शंकराचार्य जी महाराज का आगमन श्रद्धालुओं के लिए दर्शन, सत्संग और आध्यात्मिक मार्गदर्शन का विशेष अवसर बनेगा।

मोजर बेयर पावर प्लांट में निक्षय शिविर आयोजित, 148 श्रमिकों की टीबी स्क्रीनिंग



अनूपपुर। जिला क्षय अधिकारी डॉ. एससी राय के मार्गदर्शन में विकासखंड जैतहरी अंतर्गत मोजर बेयर पावर प्लांट में निक्षय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में प्लांट में कार्यरत श्रमिकों की टीबी सहित अन्य स्वास्थ्य जांच की गई। शिविर के दौरान हैंड-हेल्ड एक्स-रे के माध्यम से कुल 148 श्रमिकों के चेस्ट एक्स-रे किए गए। टीबी के संभावित मरीजों की पहचान कर आगे की जांच के लिए 50 बलगम के नमूने लिए गए। साथ ही श्रमिकों के ब्लड प्रेशर एवं शुगर की भी जांच की गई। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा श्रमिकों को टीबी के लक्षणों, समय पर जांच एवं

उपचार के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई। संभावित मरीजों के आगे के परीक्षण एवं उपचार के लिए आवश्यक प्रक्रिया भी सुनिश्चित की गई। निक्षय शिविर में

डीपीसी श्रीमती सिम्मी वानखेड़े, एसटीएस कमलेश विश्वकर्मा, एसटीएलएस रमेश प्रजापति सहित विकासखंड जैतहरी की ब्लॉक टीम उपस्थित रही।

नर्मदा किनारे जैविक खेती, फलोद्यान और पशुपालन को बढ़ावा देने के निर्देश कलेक्टर ने टीएल बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

आईटीआई-पॉलिटेक्निक से दिलाया जाएगा कौशल प्रशिक्षण अनूपपुर। नर्मदा नदी को स्वच्छ एवं अविरल बनाए रखने के साथ उसके तटवर्ती गांवों में ग्रामीणों की आजीविका मजबूत करने की दिशा में प्रशासन ने जैविक एवं प्राकृतिक खेती, पशुपालन और उद्यानिकी को बढ़ावा देने की तैयारी शुरू की है। कलेक्टर रत्नाकर झा ने सोमवार को नर्मदा सभागार में हुई समन-सीमा समीक्षा बैठक में अधिकारियों को नर्मदा किनारे विभिन्न गांवों के ग्रामीणों को शासन की योजनाओं से जोड़कर स्थानीय स्तर पर रोजगार और आय के अवसर बढ़ाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निजी भूमि पर स्थानीय प्रजातियों के फलदार पौधे लगाने, तटवर्ती क्षेत्रों में फलोद्यान विकसित करने के लिए किसानों का चिन्हांकन करने तथा प्राकृतिक अस्मिता पटेल एवं अनुसूइया मरावी सहित अशोक शर्मा, सत्येन्द्र पाटकर, राकेश गौतम, अनिल तिवारी एवं श्री द्विवेदी उपस्थित रहे।

रहा। गौशालाओं की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक और पटवारीयों को नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए। गौशालाओं में सीसीटीवी कैमरे लगाने, बायोगैस संयंत्र की संभावनाओं का परीक्षण करने और उन्हें स्व-सहायता समूहों से जोड़ने को कहा गया। बायोगैस के स्थानीय उपयोग को ध्यान में रखते हुए कार्ययोजना तैयार करने तथा गौशालाओं को बेहतर और अनुकरणीय स्वरूप देने के निर्देश भी दिए गए। कंपनियों के प्रोजेक्ट क्षेत्रों से लगे गांवों के युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए भी कलेक्टर ने अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी।

उन्होंने पॉलिटेक्निक और आईटीआई के अधिकारियों को 21 वर्ष से अधिक आयु के युवाओं का सूचीकरण कराने तथा उनकी रुचि और स्थानीय जरूरत के अनुसार संबंधित ट्रेड में कौशल प्रशिक्षण दिलाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि कंपनियों और प्रशिक्षण संस्थानों के बीच समन्वय स्थापित कर युवाओं को कौशल प्रशिक्षण के बाद रोजगार के अवसरों से जोड़ा जाए। शिक्षा विभाग की समीक्षा में बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी, शैक्षणिक गुणवत्ता, खेल और रचनात्मक गतिविधियों पर जोर दिया गया। आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने तथा सेवा प्रदाता केंद्रों, आंगनबाड़ी, विद्यालयों और अन्य संस्थानों में